

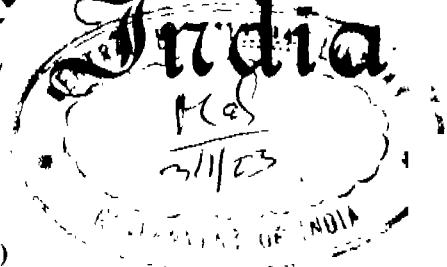


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 531]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 11, 2002/ज्येष्ठ 21, 1924

No. 531]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 11, 2002/JYAISTHA 21, 1924

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुंबई, 11 जून, 2002

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002

का. आ. 625(अ).— भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :-

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. अध्याय V में, विनियम 29 के पश्चात्, एक नया विनियम 29क निम्नलिखित रूप में अंतःस्थापित किया जायेगा -

## "नामनिर्देशन

29क (1) - आस्ति प्रबंध कंपनी यूनिटधारक को नामनिर्दिष्ट करने का विकल्प उपलब्ध करायेगी, चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट रीति में, व्यक्ति का जिसमें उसकी मृत्यु की दशा में उसके द्वारा धारित यूनिट निहित होंगे।"

(2) जहाँ यूनिट एक से अधिक व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से धारित हैं, संयुक्त यूनिटधारक एकसाथ व्यक्ति को नामनिर्दिष्ट कर सकेंगे जिसमें सभी संयुक्त यूनिटधारकों की मृत्यु की दशा में यूनिटों के सभी अधिकार निहित होंगे।

4. चौथी अनुसूची में,

क. मद vii) के पश्चात्, एक नया मद vii-क) निम्नलिखित रूप में अंतःस्थापित किया जायेगा -

"vii-क) आस्ति प्रबंध कंपनी विनियम 29क के निबंधनों के अनुसार यूनिटधारकों को नामनिर्देशन का विकल्प उपलब्ध करायेगी, इसके नीचे विहित प्ररूप में "

ख. मद xi) के पश्चात् नामनिर्देशन प्ररूप निम्नानुसार अंतःस्थापित किया जायेगा -

" नामनिर्देशन / नामनिर्देशन के रद्दकरण के लिए प्ररूप

(अकेले या संयुक्त रूप में आवेदन करनेवाले व्यक्ति (यों) द्वारा भरा जाए)

मैं / हम \_\_\_\_\_ और \_\_\_\_\_,  
 \_\_\_\_\_ सं. वाले यूनिटों की बाबत एतद्वारा इसके नीचे अधिक  
 विशिष्टतः वर्णित व्यक्ति को नामनिर्दिष्ट करते हैं / और / \_\_\_\_\_ को मेरे /  
 हमारे द्वारा किया गया नामनिर्देशन रद्द करते हैं

(\* - जो लागू न हो काट दें)

नामनिर्देशिनी का नाम और पता

नाम : .....

पता : .....

जन्मतारीख : .....

(दी जानी है, यदि नामनिर्देशिनी अवयस्क है)

\* नामनिर्देशिनी अवयस्क है जिसका संरक्षक है : .....

संरक्षक का पता .....

.....

.....

संरक्षक के हस्ताक्षर : .....

(\*यदि लागू न हो तो हटा दिया जाए)

**यूनिट धारक**

- 1) हस्ताक्षर : .....  
 नाम : .....  
 पता : .....  
 तारीख : .....
- 2) हस्ताक्षर : .....  
 नाम : .....  
 पता : .....  
 तारीख : .....

**अनुदेश :**

1. अकेले या संयुक्त रूप में अपनी ही ओर से यूनिटों के लिए आवेदन करनेवाले / को धारण करनेवाले व्यक्तियों द्वारा ही नामनिर्देशन किया जा सकता है। व्यक्ति-इतर जिसमें सोसाइटी, न्यास, निगमित निकाय, भागीदारी फर्म, हिंदू अविभक्त कुटुंब का कर्ता, मुख्तारनामा धारक सम्मिलित हैं नामनिर्दिष्ट नहीं कर सकते हैं। यदि यूनिट संयुक्त रूप में धारित हैं, सभी संयुक्त धारक नामनिर्देशन प्ररूप पर हस्ताक्षर करेंगे। स्थान नमूने के तौर पर दिया गया है, यदि अधिक संयुक्त धारक हैं तो यूनिटों के धारकों और साक्षियों के हस्ताक्षरों के लिए अधिक पत्रे जोड़े जा सकते हैं।
2. अवयस्क को नामनिर्दिष्ट किया जा सकता है और उस दशा में, अवयस्क नामनिर्देशिती के संरक्षक का नाम और पता यूनिटधारक द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
3. नामनिर्देशिती न्यास, सोसाइटी, निगमित निकाय, भागीदारी फर्म, हिंदू अविभक्त कुटुंब का कर्ता या मुख्तारनामा धारक नहीं होगा। अनिवासी भारतीय समय समय पर, प्रवृत्त विनिमय नियंत्रणों के अधीन नामनिर्देशिती हो सकता है।
4. यूनिटों की बाबत नामनिर्देशन यूनिटों का अंतरण होने पर विखंडित हो जाता है।
5. नामनिर्देशिती के पक्ष में यूनिटों का अंतरण विधिक वारिस के प्रति आस्ति प्रबंध कंपनी द्वारा विधिमान्य उन्मोचन होगा।
6. नामनिर्देशन का रद्दकरण केवल उन व्यक्तियों द्वारा किया जा सकता है जो अकेले या संयुक्त रूप में अपनी ही ओर से यूनिटों का धारण करते हैं और जिन्होंने मूल नामनिर्देशन किया।
7. नामनिर्देशन के रद्दकरण पर, नामनिर्देशन विखंडित हो जायेगा और आस्ति प्रबंध कंपनी नामनिर्देशिती के पक्ष में यूनिटों के अंतरण की किसी बाध्यता के अधीन नहीं होगी।"

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/10236/2002]

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

पाद टिप्पण : मूल विनियम, भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996, तारीख 09 दिसंबर, 1996 के भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3 (ii) में प्रकाशित का.आ. सं. 856 (अ) तारीख 9 दिसंबर, 1996 के अधीन जारी हुए थे।

भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् -

- (क) 15 अप्रैल, 1997 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1997 का.आ. सं. 327 (अ), द्वारा
- (ख) 12 जनवरी, 1998 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 32 (अ), द्वारा
- (ग) 08 दिसंबर, 1999 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 1233 (अ), द्वारा
- (घ) 14 मार्च, 2000 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 235 (अ), द्वारा
- (ङ.) 22 मई, 2000 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 484 (अ), द्वारा
- (च) 23 जनवरी, 2001 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 69 (अ), द्वारा
- (छ) 23 जुलाई 2001 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 698 (अ) द्वारा
- (ज) 19 फरवरी 2002 को भाप्रविबो (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2002, का.आ. सं. 219 (अ) द्वारा

संशोधित हुआ था।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA****NOTIFICATION**

Mumbai, the 11th June, 2002

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(MUTUAL FUNDS) (SECOND AMENDMENT) REGULATIONS, 2002**

**S.O. 625(E).**— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Securities and Exchange Board of India hereby makes the following regulations, namely :-

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2002.
2. They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
3. In Chapter V, after regulation 29, a new regulation 29A shall be inserted as follows -

**" Nomination**

29A.(1) The asset management company shall provide an option to the unitholder to nominate, in the manner specified in Fourth Schedule, a person in whom the units held by him shall vest in the event of his death.

(2) Where the units are held by more than one person jointly, the joint unitholders may together nominate a person in whom all the rights in the units shall vest in the event of death of all the joint unit holders."

4. In Fourth Schedule,
  - a. after item vii), a new item vii-a) shall be inserted as follows –  
“ vii-a) the asset management company shall provide an option of nomination to the unitholders in terms of regulation 29A, in the form prescribed hereunder”.
  - b. after item xi) the nomination form shall be inserted as under –

**FORM FOR NOMINATION / CANCELLATION OF NOMINATION**

(to be filled in by individual (s) applying singly or jointly)

I / We \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_ \* do hereby nominate the person more particularly described hereunder/ and / cancel the nomination made by me / us on the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ in respect of the units bearing No. \_\_\_\_\_ .

(\* strike out which is not applicable)

Name and Address of Nominee

Name: .....

Address: .....

Date of Birth : .....

( to be furnished in case the Nominee is a minor)

\* The Nominee is a minor whose guardian is : .....

Address of the Guardian.....

.....

.....

Signature of the guardian : .....

(\* to be deleted if not applicable)

**Unit holder (s)**      1)      Signature : .....

Name : .....

Address : .....

Date : .....

2)      Signature : .....

Name : .....

Address : .....

Date : .....

**Instructions :**

1. The nomination can be made only by individuals applying for / holding units on their own behalf singly or jointly. Non-individuals including society, trust, body corporate, partnership firm, Karta of Hindu Undivided Family, holder of Power of Attorney cannot nominate. If the units are held jointly, all joint holders will sign the nomination form. Space is provided as a specimen, if there are more joint holders more sheets can be added for signatures of holders of units and witnesses.
2. A minor can be nominated and in that event, the name and address of the guardian of the minor nominee shall be provided by the unit holder.
3. The Nominee shall not be a trust, society, body corporate, partnership firm, Karta of Hindu Undivided Family or a Power of Attorney holder. A non-resident Indian can be a Nominee subject to the exchange controls in force, from time to time.
4. Nomination in respect of the units stands rescinded upon the transfer of units.
5. Transfer of units in favour of a Nominee shall be valid discharge by the asset management company against the legal heir.
6. The cancellation of nomination can be made only by those individuals who hold units on their own behalf singly or jointly and who made the original nomination.
7. On cancellation of the nomination, the nomination shall stand rescinded and the asset management company shall not be under any obligation to transfer the units in favour of the Nominee."

[F. No. SEBI/LGL/10236/2002]

G. N. BAJPAI, Chairman

**Foot Notes :**

The principal regulations, SEBI (Mutual Funds) Regulation, 1996 were issued under S.O No. 856(E) dated December 9, 1996 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(ii) dated December 09, 1996.

SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996 were subsequently amended –

- (a) On April 15, 1997 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1997 vide S.O No. 327 (E).
- (b) On January 12, 1998 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O No. 32 (E).

- (c) On December 08, 1999 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1999 vide S.O no. 1223 (E).
- (d) On March 14, 2000 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O no. 235 (E).
- (e) On May 22, 2000 by SEBI (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide S.O no. 484 (E).
- (f) On January 23, 2001 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O no. 69 (E)
- (g) On July 23, 2001 by SEBI (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. no. 698 (E).
- (h) On February 19, 2002 by SEBI (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2002 vide S.O no. 219 (E).